Dainik Bhaskar (Indore), 06th July 2023, Page – 06

वन विभाग की योजना • हरियाली के बीच आमजन के लिए भी गतिविधियां हो सकेंगी कॉलेज कैंपस में

आईआईटी की 80 हेक्टेयर जमीन पर बनेगा नगर वन

इसे पर्यावरण नॉलेज पार्क के रूप में विकसित करेंगे, एंट्री फीस लगेगी

सौदामिनी मुजुमदार | इंदौर

शहरवासी जंगल नजदीक से देख सकें, महसूस कर सकें, इसके लिए इंदौर वन विभाग आईआईटी इंदौर के कैंपस में आरक्षित वन क्षेत्र को नगर वन के रूप में विकसित करने का काम कर रहा है। दरअसल, केंद्रीय शासन अब तक नगर निगम की 5 किलोमीटर के अंदर की सीमा में नगर वन बनाने के लिए स्वीकृति देता था। पिछले महीने ही इस योजना में बदलाव किया गया है। अब 5 किलोमीटर के बाहर भी नगर वन बनाने के लिए अनुमति दी जाएगी यदि उक्त नगर वन किसी शैक्षणिक उपयोग के लिए विकसित किया जाए।

इस योजना से संबंधित एक पत्र इंदौर वन मंडल को भी मिला था। उसके बाद विभाग ने आईआईटी इंदौर परिसर में मौजूद 80 हेक्टेयर वन भूमि पर नगर वन बनाने का विचार किया। वन विभाग ने आईआईटी और आईआईएम परिसर में नगर वन बनाने के प्रस्ताव को दोनों संस्थाओं के समक्ष रखा। इस विषय पर 15 दिन पहले आईआईटी प्रबंधन के साथ बैठक भी हुई, इंदौर डीएफओ द्वारा आईआईटी परिसर का दौरा भी किया गया।

15 दिन पहले IIT प्रबंधन के साथ बैठक हुई

01 महीने में वन विभाग योजना बनाएगा

शहरी लोग पर्यावरण के नजदीक आ सकेंगे

इंदौर डीएफओ नरेंद्र पंडवा ने बताया कि नगर वन बनाने का उद्देश्य यही है कि शहरी लोग पर्यावरण के नजदीक आ सकें। वहां पशु-पक्षियों पर, पेड़ों पर अध्ययन कर सकें, साथ ही मॉर्निंग वॉक के लिए जा सकें। चर्चा के बाद आईआईटी ने अपने परिसर का उक्त हिस्सा आम जनता के लिए खोलने की सहमति दी है। अगले 1 महीने में वन विभाग इसके लिए योजना बनाएगा। योजना केंद्र सरकार के पास भेजी जाएगी, वहां से स्वीकृति मिलने के बाद काम शुरू हो जाएगा। इस नगर वन को पर्यावरण नॉलेज पार्क के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए एंट्री फीस भी रखी जाएगी जो वन विभाग लेगा। इसी राशि से नगर वन का रखरखाव किया जाएगा। यहां समय-समय पर जागरूकता और शैक्षणिक गतिविधियां भी वन विभाग द्वारा करवाई जा सकेंगी। साथ ही आईआईटी के छात्र भी इस नगर वन का उपयोग कर सकेंगे।